शुक्रवार
20 फरवरी 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 28
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

# दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

## जनसेवा केन्द्र की आड़ में

# फर्जी दस्तावेज बनाने वाला गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जनसेवा केन्द्र की आड़ में फर्जी दस्तावेज बनाने वाले बिहार के एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से भारी मात्रा में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, मोहरें व इलेक्ट्रानिक उपकरण बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीते दिनों कोतवाली कलियर पुलिस को एलआईयू के सहयोग से एक सूचना मिली कि क्षेत्र में एक व्यक्ति जनसेवा केन्द्र की आड़ में फर्जी दस्तावेज बनाने के काम में जुटा हुआ है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एलआईयू टीम द्वारा पिरान कलियर क्षेत्र में चारमीनार के पीछे स्थित अलीशान होटल के शाहिदा मानवाधिकार जनसेवा केन्द्र का बोर्ड लगे कमरे में छापेमारी की तो एक व्यक्ति स्थानीय तथा बाहरी राज्यों के लोगों के जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड व पैन कार्ड आदि बनाता हुआ पाया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम शहनवाज पुत्र मौ. प्यारे निवासी ग्राम दाउदपुर थाना साहिबगंज जिला मुजफ्फरपुर बिहार हाल पता अलीसान होटल पिरान कलियर जिला हरिद्वार बताया। उसने खुद को मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष होने का दावा किया तथा होटल आलीशान में सीएससी सेन्टर चलाकर सेन्टर में लोगों के मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, आधार कार्ड जन्म प्रमाण पत्र और अन्य कागजात बनाने की जानकारी दी। पुलिस ने उसके जारी किए गये दस्तावेजों जन्म प्रमाण पत्र का अवलोकन करने पर पाया गया कि सभी जन्म प्रमाण पत्रों पर सीरियल नं. 1 अंकित है जिस पर उत्तराखण्ड राज्य का लोगो बना हुआ है। पुलिस ने मौके से नगर पंचायत पिरान कलियर के ईओ से सम्पर्क कर व्हाटसअप पर उक्त जन्म प्रमाण पत्र की फोटो भेजकर जानकारी की गयी तो उनके द्वारा बताया गया है कि इस प्रमाण पर दो मोहर लगी है तथा कलियर में जन्म प्रमाण पत्र पर मैं ही हस्ताक्षर करता हूं, ये मेरे हस्ताक्षर नहीं है, यह प्रमाण पत्र फर्जी हैं। मानवाधिकार आयोग का पहचान पत्र भी फर्जी पाया गया। कड़ी पूछताछ में आरोपी शहनवाज ने बताया कि कुछ डाक्यूमेन्ट वह खुद गूगल पर ऑनलाईन बनाता है और कुछ डाक्यूमेन्ट ऑनलाइन मंगाकर प्रिन्ट निकलवाकर लोगों को देता है। जानकारी के मुताबिक आरोपी अब तक लगभग एक हजार से अधिक जन्म प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज बना चुका है।

शहनवाज की दुकान की तलाशी से 45 कूटरचित जन्म प्रमाण पत्र एक लैपटाप, लैपटाप चार्जर, एक माउस व एक मोबाइल फोन रेडमी व 6 आधार कार्ड, व 7 अलग अलग मोहरें बरामद हुयी है जिसके सम्बन्ध में थाना कोतवाली पिरान कलियर पर मुकदमा किया गया है।

# मसूरी में होगा गोल्फकार्ट का संचालन

संवाददाता

देहरादून। मसूरी में शीघ्र गोल्फकार्ट संचालन होगा जिसके लिए 40 गोल्फकार्ट की सुविधा होने जा रही है।

आज यहां जिला प्रशासन के सत्त प्रयासों के परिणामस्वरूप पर्यटन नगरी मसूरी को शीघ्र ही 40 अतिरिक्त गोल्फकार्ट की सुविधा प्राप्त होने जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा इस महत्वपूर्ण पहल के लिए सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। इस संबंध में आरईसी (रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कार्पोरेशन फांउडेशन लि0), भारत सरकार के सहयोग से गोल्फकार्ट उपलब्ध कराए जाएंगे। जिलाधिकारी सविन बंसल के आग्रह पर आरईसी के प्रबंध निदेशक एवं अपर सचिव, भारत सरकार इसी माह देहरादून आगमन कर जिला प्रशासन के साथ औपचारिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेंगे। एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम मंत्री/स्थानीय विधायक मसूरी तथा रिक्शा यूनियन के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न होगा। इस दौरान जिला प्रशासन एवं आरईसी के प्रतिनिधियों के बीच एमओयू का औपचारिक आदान-प्रदान किया जाएगा।

जिलाधिकारी बंसल ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य मसूरी में बढ़ते यातायात दबाव को कम करना, पर्यटकों एवं स्थानीय नागरिकों को सुगम, सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन उपलब्ध कराना तथा पारंपरिक रिक्शा चालकों को बेहतर आय के अवसर प्रदान करना है। मसूरी में अतिरिक्त गोल्फकार्ट संचालित होने से माल रोड एवं कैमलबैक रोड पर जाम की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी। प्रदूषण-मुक्त परिवहन को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय रिक्शा चालकों की आर्थिकी में वृद्धि होगी। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं पर्यटकों को आरामदायक आवागमन सुविधा मिलेगी। पर्यटन अनुभव अधिक सुव्यवस्थित एवं आकर्षक बनेगा। जिला प्रशासन का मानना है कि यह पहल मसूरी को स्वच्छ, सुगम और आधुनिक पर्यटन नगर के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को गोल्फकार्ट संचालन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएँ, मार्ग निर्धारण, पार्किंग स्थल, चार्जिंग व्यवस्था, सुरक्षा मानक एवं संचालन प्रणाली-समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन द्वारा गोल्फकार्ट के लिए आरईसी फांडेशन लि. (आरईसी) के अधिकारियों से चर्चा कर अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए सीएसआर फंड से धनराशि की मांग की जिस पर आरईसी से 3.36 करोड़ धनराशि सीएसआर फंड से दी जा रही है। जिलाधिकारी के निर्देश पर मसूरी माल रोड में यातायात के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए माल रोड पर वाहनों का आवागमन पर रोक लगाते हुए, स्थानीय निवासियों एवं पर्यटकों की आवागमन हेतु सुगम सुविधा के लिए गोल्फ कार्ट चलाने की जिला प्रशासन ने योजना है, जो की मसूरी में यातायात प्रबंधन की दिशा में ऐतिहासिक पहल है।

दून वैली मेल

## संपादकीय

# कहां जा रहा है देश व समाज?

इस देश का समाज और सिस्टम इन दिनों किस दिशा में जा रहा है? इस सवाल को लेकर देश के आम आदमी के चेहरे पर खिची उन चिंताओं की तथा असुरक्षा की रेखाओं को हर कोई गंभीरता से महसूस कर रहा है जिसके पीछे नफरत की और सामाजिक विभाजन की वह गहरी खाई तैयार किया जाना है जिसे सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। सबका साथ सबका विकास और सब का विश्वास जीतने का नारा देने वालों का यह नारा कब नफरत के उसे भंवरजाल तक पहुंच गया जहां सत्ता की सहयोगी करणी सेना का एक सदस्य बकायदा अपना एक पोस्ट कर रहा है जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और 25 उन सांसदों को घर में घुसकर गोली मारने की धमकी दी जाती है, जिन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के ऑफिस में घुसकर कथित तौर पर हंगामा किया था। करणी सेना का यह सदस्य ओम बिड़ला का नजदीकी बताया जाता है उसकी बिड़ला के साथ कई तस्वीरें भी सामने आ चुकी हैं। राज सिंह नाम के इस युवक ने शासन-प्रशासन को 24 घंटे का समय देते हुए अल्टीमेटम दिया है कि अगर विपक्षी सांसदों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वह सभी को उनके घर में घुसकर गोलियों से मार देगा। सवाल यह है कि इस तरह के हालात कोई एक दिन में पैदा नहीं हुए हैं। लंबे समय से देश में देश के गद्दारों को गोली मारो सालों को और सर तन से जुदा जैसे नारे और किस्सों के साथ नेताओं द्वारा जो हिंदू-मुस्लिम का राग अलापा जा रहा है और मंचों से वह तुम्हारी बहू बेटियों को उठा ले जाएंगे, उनके मंगलसूत्र छीन ले जाएंगे, तुम्हारी भैंस खोल दी जाएगी जैसे भाषण दिए जा रहे हैं तथा लव जिहाद और लैंड जिहाद का डंका पीटा जा रहा है उसे देश के लोग सालों से देख और सुन रहे हैं। बीते 24 घंटे में इस घटना जिसमें 25 सांसदों को गोली मारने की बात कही गई है इसके अलावा एक और अन्य घटना देश की राजधानी दिल्ली की नंद नगरी से सामने आई जो दिल दहला देने वाली है। कुछ गुंडे एक 15 वर्षीय नाबालिक को घेर कर पीटना शुरू कर देते हैं और जब वह बच्चा अपने पिता जिनका नाम उमरुद्दीन बताया जा रहा है से फोन पर गुहार लगाता है मुझे बचा लो। एक पिता जब अपने इस बच्चे को बचाने पहुंचता है उसे गोली मार कर उसकी हत्या कर दी जाती है। इस घटना का इस बच्चे के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा क्या इस खौफनाक सदमें से वह कभी उभर पाएगा? शायद इस मुद्दे पर आज समाज में या सत्ता में बैठे लोग नहीं सोच सकते? हर रोज होने वाली इन घटनाओं से देश के समाज और भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा इसकी परवाह न तो उन नफरती चिंटुओ को है जो इस तरह की घटनाओं का हिस्सा बने हुए हैं न शासन प्रशासन में बैठे अन्य किसी को भी। लेकिन निश्चित तौर पर यह हालात अत्यंत ही डरावने हैं। अभी बीते दिनों कोटद्वार में जिस मोहम्मद दीपक ने इसके खिलाफ आवाज उठाई थी अब उसकी हत्या के लिए कुछ लोग इनाम घोषित कर रहे हैं। सत्ता की विचारधारा के खिलाफ बोलने वालों को आतंकी बता दिया जाना, देशद्रोही कहा जाना सिर्फ चिंतनीय नहीं है। नफरत की जो फसल बीते कुछ सालों में बोई गई है वह देश और समाज पर आने वाले संभावित खतरे की घंटी है। डर और आतंक के बीच समाज और मीडिया की खामोशी भी हैरान करने वाली है। 1948 में तत्कालीन गृहमंत्री सरदार पटेल ने महात्मा गांधी की हत्या के बाद संघ प्रमुख को एक पत्र लिखकर इस तरह की घटनाओं को बल मिलने की आशंका जताई गई थी। जिसके बाद संघ पर प्रतिबंध लगाया गया। हिंदू राष्ट्र और गौ रक्षा के नाम पर हिंदुओं को एक जुट किया जाना गलत न सही लेकिन यह काम विपक्ष को या देश के समाज के अन्य वर्गों को निशाना बनाकर नहीं किया जाना चाहिए अन्यथा फिर हमें किसी बड़ी अनहोनी का सामना करने को तैयार रहना होगा।

## अग्निवीर योजना विरोध यात्रा रथ को माहरा ने दिखाई हरी झंडी!

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष राम रतन नेगी के नेतृत्व में अग्निवीर योजना विरोध में चल रहे प्रदेशव्यापी यात्रा के तीसरे चरण के यात्रा रथ को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने हरी झंडी दिखाई। आज यहां उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष राम रतन नेगी के नेतृत्व में अग्निवीर योजना विरोध में चल रहे प्रदेशव्यापी यात्रा के तीसरे चरण के यात्रा रथ को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने हरी झंडी दिखाई और कहा भारतीय गौरवशाली सेना को कांग्रेस पूर्व की व्यवस्था लागू कर ससम्मान मजबूत करने के लिए वचनबद्ध है। कांग्रेस नेता लाल चंद शर्मा, महानगर देहरादून के अध्यक्ष डा.जसविन्दर सिंह गोगी, कर्नल आर डी एस रावत व पूर्व सैनिकों सहित कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया। यह यात्रा 25 तारीख तक चलेगी देहरादून, जौनसार टिहरी क्षेत्र लगभग आठ विधान सभा क्षेत्रों में जायेगी।

# एसबीएस कॉलेज में 'विश्व सामाजिक न्याय दिवस' के अवसर पर निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में समाजशास्त्र विभागीय परिषद के तत्वाधान में 'विश्व सामाजिक न्याय दिवस' के अवसर पर निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत विभागीय परिषद की संयोजक डॉ. शिल्पी अग्रवाल द्वारा कार्यक्रम के विषय प्रवर्तन से हुई । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.अवधेश नारायण सिंह ने इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते विद्यार्थियों को महाविद्यालय में विभागीय परिषद के गठन के उद्देश्यों और निहितार्थों के बारे में विस्तार से बताया। आपने कहा कि विद्यार्थियों को अपने विभाग से नियमित सम्पर्क में रहते हुए अपनी समस्याओं से विभाग को परिचित कराते हुए शिक्षकों के सहयोग से उनके निराकरण का प्रयास करना चाहिए।

कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभाग प्रभारी प्रोफेसर हेमलता सैनी द्वारा विश्व सामाजिक न्याय दिवस के संदर्भ में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभाग के प्रो. रवीन्द्र कुमार सैनी एवं डॉ. राजेश कुमार सिंह द्वारा भी उपस्थित विद्यार्थियों को सम्बोधित किया गया। समाजशास्त्र विभागीय परिषद की संयोजक डॉ. शिल्पी अग्रवाल ने कहा कि हमारे भारतीय संविधान की प्रस्तावना का आधार सामाजिक न्याय है।

भाषण प्रतियोगिता में बी.ए. षष्टम सेमेस्टर के नेपोलियन ने प्रथम, बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की दिया ने द्वितीय तथा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के अर्जुन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । निबंध प्रतियोगिता में बी.ए.षष्टम सेमेस्टर के नेपोलियन ने प्रथम तथा बी.ए.षष्टम सेमेस्टर की सालेहा और बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के सर्वजीत ने द्वितीय तथा बी.ए. षष्टम सेमेस्टर की सावीन जहाँ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के डॉ.विकार हसन खान, हिंदी विभाग की डॉ. रूमा शाह एवं डॉ.सुमन फुलारा ने निर्णायक मण्डल की भूमिका निभाई।

इस कार्यक्रम में समाजशास्त्र विषय के सालेहा खातून, इशरत अंसारी, सावीन जहाँ, ऐश्वर्या, निकिता, सर्वजीत, अंशु, इकरा बी पाशा और अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के विद्यार्थी कैलाश चौधरी और मानसी पाण्डेय ने विशेष सहयोग दिया।

# संयुक्त नागरिक संगठन ने किया संवाद गोष्ठी का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से 'जीने का अधिकार बनाम सार्वजनिक जीवन में व्याप्त व्यवस्थागत समस्याएं और इनका निराकरण' विषय पर संवाद का आयोजन रेसकोर्स में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पंजाब एंड सिंध बैंक सेवानिवृत्ति संगठन के अध्यक्ष खुशवीर सिंह ने की। संचालन संगठन सचिव अवधेश शर्मा ने किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने राजधानी दून में वाहनों से बढ़ते प्रदूषण से उत्पन्न आम जन के स्वास्थ्य को उत्पन्न खतरों,सड़कों के फुटपाथ पर होते अतिक्रमण के शिकार पैदल यात्रियों के मानसिक उत्पीड़न,विकास के नाम पर वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास जंगलों की सफाई से होते पर्यावरणीय नुकसान,मानव वन्य जीव संघर्ष के बुनियादी कारणों की अनदेखी आदि विषयों पर विचार व्यक्त करते हुए इन्हें सामाजिक अन्याय,शोषण उत्पीड़न का प्रतीक बताया।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

# यातायात समस्याओं को लेकर कांग्रेसियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा के नेतृत्व में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून से मुलाकात कर देहरादून क्षेत्र की यातायात समस्याओं के समाधान के संबंध में ज्ञापन प्रेषित करते हुए समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को सौंपे ज्ञापन में लालचन्द शर्मा ने कहा कि राजधानी देहरादून उत्तराखंड का प्रशासनिक, राजनीतिक एवं आर्थिक केंद्र है। जहां एक ओर राज्य निर्माण गठन के उपरान्त इन 25 वर्षो में शहर की आबादी बढने के साथ ही वाहनों की आवाजाही भी कई गुना बढी हैं वहीं विगत कुछ समय से राजधानी की यातायात व्यवस्था बदहाल, असंगठित और अक्षम प्रबंधन का शिकार बनी हुई है। मुख्य सडकों पर रोजाना लगने वाले जाम से आम जनता को भारी असुविधा से दो-चार होना पड रहा है। आम जनता, छात्र, कर्मचारी, व्यापारी, मरीज, पर्यटक, सभी घंटों तक जाम में फंसकर मानसिक, आर्थिक और शारीरिक कष्ट झेलने को मजबूर हैं। यह स्थिति राजधानी में निवास करने वाले आम नागरिकों और शासन-प्रशासन के लिए गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है, परन्तु इस दिशा में अब तक ठोस कदम नहीं उठाये जा रहे हैं।

पूर्व विधायक राजकुमार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से स्कूलो में छुट्टी के समय अतिरिक्त पुलिस एवं यातायात कर्मियों की व्यवस्था सुनिश्चत करने का भी आग्रह किया वहीं पछुवादून कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय किशोर ने विकासनगर, हरबर्टपुर क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान चलाने का अनुरोध किया। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में यातायात व्यवस्था की समस्याओं के समाधान से संबंधित 12 सुझाव भी दिये हैं। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश महामंत्री विरेन्द्र पोखरियाल, पार्षद कोमल बोरा, सविता सोनकर, रमेश कुमार मंगू,पार्षद मुकीम अहमद,मुकेश सोनकर,पार्षद निखिल कुमार मोहित नेगी, सोम प्रकाश वाल्मीकि, विरेन्द्र बिष्ट, मुकीम अहमद, सुभाष दस माना राजेश चंदेल, ओमी यादव, सोमप्रकाश बाल्मीकि, सुनील कुमार बांगा, नमन, आकाश आदि कांग्रेसजन शामिल थे।

# जातियों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में संगठित हो हिंदू समाज: महामंडलेश्वर

काशीपुर(आरएनएस)। आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हरिद्वार से महामंडलेश्वर रूपेंद्र प्रकाश जसपुर में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में पहुंचे। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को जातियों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में संगठित होना होगा। आयोजकों ने उन्हें प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। संयोजक डॉ. एमपी सिंह ने महामंडलेश्वर रूपेंद्र प्रकाश, संजय कुमार और माधवी सिंघल का स्वागत किया। महामंडलेश्वर ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष की यात्रा पर कहा कि संघ ने पिछले एक दशक से राष्ट्र निर्माण और चरित्र निर्माण में जो भूमिका निभाई है, वह अतुलनीय है। उन्होंने भारत के गौरव को विश्व पटल पर पुन: स्थापित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। माधवी सिंघल ने कार्यक्रम में पारिवारिक मूल्यों पर जोर दिया। संयोजक डॉ. एमपी सिंह ने कहा कि हिंदू सम्मेलन समाज की शक्ति और सेवा के संकल्प का प्रतीक है और इसे समाज की रीढ़ के रूप में देखा जाना चाहिए। यहां एससी आयोग अध्यक्ष मुकेश कुमार, पूर्व विधायक डॉ. शैलेंद्र मोहन सिंघल, खड़क सिंह, भूदेव सिंह, रंजीत बहगल, दयाराम शर्मा, करन सिंह, पदम सिंह, अशोक, ललित शर्मा, सुरेंद्र सिंह, कैलाश चंद्र, डॉ. रेखा सिंह, रीना चौहान, डोली शर्मा रहे। उधर, ग्राम आसपुर में आयोजित हिंदू सम्मेलन में आयोजक मनोज चौहान ने हिंदुओं के एकजुट होने पर बल दिया। कार्यक्रम में मनप्रीत लाडी, धर्मपाल सिंह, ब्रह्मानंद, दिनेश सिंह, प्रमोद, विनीत चौहान और प्राशीष रहे।

# ईपीएस-95 पेंशनरों का दिल्ली कूच का ऐलान

हल्द्वानी(आरएनएस)। ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति उत्तराखंड की महत्वपूर्ण बैठक काठगोदाम स्थित परिवहन डिपो वर्कशॉप में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार वालिया और संचालन प्रांतीय समन्वयक जगत सिंह डोबाल ने किया। बैठक में वक्ताओं ने 9 से 11 मार्च तक दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने का आह्वान किया। बताया गया कि प्रदर्शन में कुमाऊं मंडल से 500 से 1000 पेंशनरों के शामिल होने की संभावना है। केंद्रीय समिति की ओर से श्रम मंत्री, वित्त सचिव और ईपीएफओ के उच्चाधिकारियों से लगातार वार्ता के बावजूद मांगें लंबित रहने पर रोष व्यक्त किया गया। प्रमुख मांगों में न्यूनतम 6500 रुपये पेंशन के साथ महंगाई भत्ता, पति-पत्नी को चिकित्सा सुविधा तथा 4 नवम्बर 2022 के सर्वोच्च न्यायालय आदेश का पूर्ण अनुपालन शामिल है। नेताओं ने चेताया कि समाधान न होने पर जेल भरो व आमरण अनशन जैसे कठोर कदम भी उठाए जा सकते हैं। इस दौरान विभिन्न विभागों व सार्वजनिक उपक्रमों से जुड़े सेवानिवृत्त एवं कार्यरत पेंशनरों ने भाग लेकर आगामी राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

# छात्र-छात्राओं को वितरित की गई फुटबाल

चमोली(आरएनएस)। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय पीपलकोटी में फुटबाल फॉर स्कूल योजना के तहत फुटबाल वितरण किक ऑफ कार्यक्रम आयोजित किया गया। बंड विकास संगठन के संरक्षक अतुल शाह ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य केएस दिगारी ने बताया कि फुटबाल फॉर स्कूल के तहत छात्रों को खेलों के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की पहल की जा रही है। संरक्षक अतुल शाह ने छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेलकूद गतिविधियों में भी बढ़चढ़ कर प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर खेल शिक्षक दिनेश थापा, अनीता रजावत, छाया त्रिपाठी, अटल उत्कृष्ट राइंका गडोरा के प्रधानाचार्य बीएस चौहान, पीस पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य विमल राणा, विजय सेमवाल, पृथ्वी सिंह, संजय राणा, सुनीता कठैत, प्रदीप सजवाण, जयेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

# प्लॉटिंग के लिए खोदाई करने से खतरे में आई सी ब्लॉक की बिल्डिंग

नई टिहरी(आरएनएस)। जिला मुख्यालय में पुलिस थाने के पास सड़क की दीवार तोड़कर खोदाई करने से ऊपर बने मकान खतरे की जद में आ गए हैं। इससे भयभीत भवन स्वामियों ने डीएम को दिए ज्ञापन में भवन की सुरक्षा के लिए खुदाई बंद करने और परिवर्तन कर डंपिंग जोन में भूखंड आवंटन कराने की जांच करने की मांग की है। पुलिस थाने के पास जेल रोड की ऊपरी साइड से सड़क का पुश्ता तोड़कर जेसीबी मशीन से खोदाई की जा रही है। बताया गया कि बिल्डर वहां आवासीय कॉलोनी बनाने के लिए प्लॉट तैयार कर रहा है लेकिन अधिक खोदाई करने से उसके पीछे सी ब्लॉक की चार नंबर बिल्डिंग खतरे की जद में आ गई है। बिल्डिंग में निवासरत श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष बलवीर सिंह नेगी और सतीश उनियाल ने डीएम व पुनर्वास निदेशक को दिए ज्ञापन में बताया कि वह क्षेत्र डंपिंग जोन है। बिल्डरों ने मिली भगत से प्लॉट परिवर्तन कर डंपिग जोन में भूखंड आवंटित करा दिया। उन्होंने करीब पांच मीटर ऊंचा पुश्ता तोड़कर प्लाटिंग के लिए जेसीबी से खोदाई शुरू की तो ठीक उसके ऊपर सी ब्लॉक की चार नंबर बिल्डिंग के आंगन में मोटी दरारें पड़ गई है। उन्होंने बताया कि बारिश होती है तो आंगन टूटकर बिल्डिंग भी खतरे की जद में आ जाएगी जिससे वहां निवासरत परिवारों को भारी जानमाल का नुकसान हो सकता है।

# डिप्लोमा इंजीनियर्स बोले, मांगें न मानीं तो तेज होगा आंदोलन

हल्द्वानी(आरएनएस)। वेतन विसंगति दूर करने, पदोन्नति और पुरानी पेंशन योजना बहाली समेत विभिन्न मांगों को लेकर डिप्लोमा इंजीनियरों ने तिकोनिया स्थित लोक निर्माण विभाग परिसर में धरना-प्रदर्शन किया।

जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग उठाई। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के बैनर तले आयोजित धरने में वक्ताओं ने कहा कि प्रांतीय कार्यकारिणी की तरफ से लंबे समय से शासन स्तर पर संवाद और अनुरोध के बावजूद मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, जिससे इंजीनियरों में रोष व्याप्त है। महासंघ ने स्पष्ट किया कि दो फरवरी से घोषित चरणबद्ध आंदोलन के तहत यह धरना महत्वपूर्ण कड़ी है और मांगें पूरी न होने पर आंदोलन को प्रदेशभर में और व्यापक किया जाएगा।

इंजीनियरों ने वेतन विसंगति समाप्त करने, पदोन्नति प्रक्रिया में तेजी लाने, जल संस्थान व जल निगम के राजकीयकरण और पुरानी पेंशन योजना बहाली जैसे मुद्दों पर एकजुटता दिखाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष इंजीनियर पुष्कर आर्य ने की, जबकि संचालन इंजीनियर गणेश रौतेला ने किया। इस मौके पर सुरेश डंगवाल, सुरेश जोशी, राजेन्द्र गिरि, वाईएस रावत, जगदीप राणा, शंकर शम्भू पंत, गोविन्द सिंह जनौटी, पंकज उपाध्याय, विवेक भट्ट, हरीश चन्द्र पंत, शेखर चन्द्र जोशी, अजेन्द्र जोशी, भावना, अमिता, प्रियंका, अंजलि, सुकीर्ति, अर्चना, स्वना, रुचि, सुभाष चन्द्र जोशी, के.एस. अधिकारी, दीपक सामन्त समेत विभिन्न विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर मौजूद रहे। ये हैं प्रमुख मांगें कनिष्ठ अभियंताओं की वेतन विसंगति दूर कर 4600 ग्रेड पे नोशनल रूप से लागू किया जाए। 10, 16 व 26 वर्ष पर क्रमश: उच्च ग्रेड पे के साथ तीन पदोन्नतियां सुनिश्चित हों। जल संस्थान और जल निगम का राजकीयकरण किया जाए। 2014 के बाद नियुक्त जेई को प्रथम एसीपी पर पूर्ववत उच्च ग्रेड पे दिया जाए। सहायक अभियंता से ऊपर समानान्तर पदोन्नति गैलरी बनाई जाए। पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाए।

# चानी बासर में अप्रैल में शुरू होगी जिला पंचायत की पहली गोशाला

नई टिहरी(आरएनएस)। जिला पंचायत टिहरी की पहली गोशाला आगामी अप्रैल माह में विधिवत अस्तित्व में आ जाएगी। भिलंगना ब्लॉक के चानी बासर में 26.45 लाख रुपये की लागत से बनने वाली गोशाला का कार्य अंतिम चरण में है। निर्माण पूरा होते ही गोशाला का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। जिसमे 100 पशुओं को रखने की क्षमता उपलब्ध है। जिला पंचायत की ओर से गोशाला संचालन के लिए हरि कृष्णा समिति से अनुबंध किया जा चुका है। गोशाला में लगभग 100 गोवंश को एक साथ रखने की क्षमता है। गोशाला की सुविधा उन गोवंश के लिए तैयार की जा रही है, जो सड़कों और बाजार क्षेत्रों में घूमते हुए दुर्घटना में घायल हो जाते। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी भागवत पाटनी ने बताया कि चानी बासर में बनने जा रही जिला पंचायत की यह पहली गोशाला है। इसे निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। पशुपालन विभाग की ओर से प्रत्येक गोवंश की देखभाल और चारे के लिए हरि कृष्णा समिति को प्रतिदिन लगभग 80 रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। गोशाला में रखे जाने वाले पशुओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण भी समिति की जिम्मेदारी होगी।

# राज्य व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को किया सम्मानित

कोटद्वार(आरएनएस)। जिला एवं महानगर कांग्रेस कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रोशन करने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कहा कि खिलाड़ी देश और समाज की असली शान होते हैं। कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों में स्टेट कबड्डी में कुमारी निशा, नेशनल लंबी कूद में कुमारी सोनिया रावत, नेशनल फुटबाल खिलाड़ी लक्की, नेशनल एथलीट शिव कुमार, आशिफ, क्रिकेट खिलाड़ी प्रथम कुमार, हॉकी खिलाड़ी हिमांशी, एथलीट अक्षित नेगी शामिल रहे।

# प्यास बुझाने के लिए ग्रामीण दो किमी दूर से ढो रहे पानी

नई टिहरी(आरएनएस)। थौलधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत इडियान के बागोडी गांव में पेयजल किल्लत बढ़ने से ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीण दो किलोमीटर दूर से स्रोत से पानी ढोने को मजबूर हैं। पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष व बागोडी गांव के निवासी लाखीराम उनियाल, जीतराम जोशी, राजेंद्र जोशी, आमोद जोशी, कांति प्रसाद जोशी, मदन जोशी ने बताया कि गांव में लंबे समय पेयजल किल्लत की समस्या बनी हुई है। डेढ़ वर्ष पूर्व जल संस्थान ने जल जीवन मिशन के तहत पनियार नामे तोक से गांव में लिए पेयजल लाइन बिछाई। बरसात के समय पेयजल स्रोत पर पानी बढ़ने के बाद गांव में प्रतिदिन पानी की सप्लाई होती है, लेकिन गर्मियों और सर्दियों में पेयजल स्रोत पर पानी की कमी होने से चौथे-पांचवें दिन पानी आता है। पानी कि किल्लत होने के कारण ग्रामीणों को करीब दो किलोमीटर दूर चढ़ाई चढ़कर पेयजल स्रोत से पानी लाना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी गांव में रहने वाले बुजुर्गों को उठानी पड़ती है। पानी कमी के चलते कई बार ग्रामीणों का आपसी विवाद हो जाता है। पानी की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने अपनी गाय-भैस तक बेच दिए है। कहा कि बागोडी जिले का पहला सैनिक बाहुल्य गांव होने के साथ आदर्श गांव है। पानी की किल्लत के चलते कई लोग गांव से पलायन कर गए हैं। पानी की आपूर्ति न होने के बाद भी जल संस्थान ग्रामीणों को लगातार बिल भेज रहा है। ग्रामीणों की ओर शासन-प्रशासन से पानी की समस्या दूर करने की गुहार लगाई लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

# लिस्ट्राबाद में विधि विश्वविद्यालय ही बनाया जाए

ऋषिकेश। रानीपोखरी भट्ट नगरी में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए भूमि विवाद पर ग्रामीणों का धरना जारी है। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत से मुलाकात के बाद उन्होंने उच्च शिक्षा सचिव से बात की। स्थानीय लोग चाहते हैं कि यह भूमि विधि विश्वविद्यालय के लिए सुरक्षित रखी जाए, जिससे क्षेत्र में शिक्षा और विकास में वृद्धि हो सके।

लिस्ट्राबाद में विधि विश्वविद्यालय ही बनाया जाए रानीपोखरी भट्ट नगरी में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की स्थापना से जुड़े भूमि प्रकरण को लेकर स्थानीय ग्रामीण और जनप्रतिनिधि परेशान हैं। उन्होंने हरिद्वार सांसद से मुलाकात कर पूरे प्रकरण से अवगत कराया। उन्होंने इस भूमि पर राष्ट्रीय विधि विवि बनाने की मांग की। रानीपोखरी भट्ट नगरी में ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान स्थानीय ग्रामीण और जनप्रतिनिधि का एक प्रतिनिधिमंडल देहरादून में हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत से मिला।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत को पूरे प्रकरण से अवगत कराया। कहा कि वर्ष 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री रहते हुए उनके द्वारा ही रानीपोखरी भट्ट नगरी स्थित लिस्ट्राबाद में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए शिलान्यास किया गया था। अब इस भूमि को किसी अन्य को दिया जा रहा है। जिसको लेकर क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त है। कहा कि उक्त भूमि पर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की स्थापना से क्षेत्र में उच्च शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी, लेकिन भूमि को लेकर लंबे समय से बनी असमंजस की स्थिति से स्थानीय लोगों में असंतोष है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने तत्काल उच्च शिक्षा सचिव से दूरभाष पर वार्ता की और प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही शीघ्र करने के निर्देश दिए।

उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि यह विषय जनहित से जुड़ा हुआ है और शासन स्तर पर इसका उचित और न्यायसंगत समाधान निकाला जाएगा। मौके पर भाजपा किसान मोर्चा गढ़वाल सह संयोजक, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश किसान मोर्चा अरुण शर्मा, प्रधान संगठन न्याय पंचायत रानीपोखरी के अध्यक्ष अनूप चौहान, ग्राम प्रधान लिस्ट्राबाद अनिल कुमार, संदीप भट्ट, सुनील यादव आदि उपस्थित रहे।

# सूखी खांसी होने पर पिएं ये हर्बल चाय, कर सकती हैं दवा का काम

सूखी खांसी से गले में जलन हो सकती है और सांस लेने में भी तकलीफ हो सकती है। इसके कारण नींद भी प्रभावित होती है। हालांकि, कुछ हर्बल चाय इस समस्या से राहत दिलाने में मदद कर सकती हैं। ये चाय आपके गले को शांत करती हैं और सूजन को कम करती हैं। आइए आज हम आपको सूखी खांसी का इलाज करने वाली पांच हर्बल चाय की रेसिपी बताते हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं।

अदरक की चाय

अदरक की चाय में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो गले की जलन को कम कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी उबालें, फिर उसमें कटी हुई अदरक डालें और 10 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इसमें नींबू का रस और शहद मिलाएं। अदरक की चाय पीने से गले की सूजन कम होती है और सांस लेने में आसानी होती है। यह चाय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

तुलसी की चाय

तुलसी की चाय में बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने वाले गुण होते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। इसके लिए एक बर्तन में पानी उबालें, फिर उसमें तुलसी की पत्तियां डालें और 5-7 मिनट तक पकाएं। अब इसमें थोड़ा-सा हल्दी पाउडर डालें और अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को छानकर कप में डालें और शहद मिलाकर पिएं। तुलसी की चाय पीने से गले की जलन कम होती है और सूखी खांसी से राहत मिलती है।

पुदीने की चाय

पुदीने की चाय में ठंडक देने वाला मेंथॉल होता है, जो नाक बंद होने को खोलता है और सांस लेने में आसानी होती है। इसके लिए एक बर्तन में पानी उबालें, फिर उसमें पुदीने की पत्तियां डालें और 5 मिनट तक पकाएं। अब इस मिश्रण को छानकर कप में डालें और शहद मिलाकर पिएं। पुदीने की चाय पीने से गले की जलन कम होती है और सूखी खांसी से राहत मिलती है।

शहद और नींबू वाली चाय

शहद और नींबू दोनों ही प्राकृतिक मिठास देते हैं और गले को शांत करते हैं। इसके लिए एक कप गर्म पानी में एक चम्मच शहद मिलाएं, फिर उसमें नींबू का रस डालें। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाकर पिएं। शहद और नींबू की चाय पीने से गले की जलन कम होती है और सूखी खांसी से राहत मिलती है। यह मिश्रण न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

कैमोमाइल चाय

कैमोमाइल चाय में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो गले की जलन को कम करते हैं। इसके लिए एक बर्तन में पानी उबालें, फिर उसमें कैमोमाइल फूल डालें और 5 मिनट तक पकाएं। अब इस मिश्रण को छानकर कप में डालें और शहद मिलाकर पिएं। इन सभी हर्बल चाय का सेवन करके आप आसानी से सूखी खांसी से राहत पा सकते हैं।


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


# सस्ती तकनीक और हर नागरिक तक पहुंच: एआई में आत्मनिर्भर भारत की तैयारी

सुशील पाल

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज की सबसे ताकतवर और तेजी से बदलने वाली तकनीक में से एक बनती जा रही है। इसमें यह क्षमता है कि यह देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे, उत्पादन बढ़ाए और विकास की रफ्तार तेज करे। सरकारी सेवाओं को ज्यादा प्रभावी और पारदर्शी बनाने में भी एआई अहम भूमिका निभा सकती है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बीमारी की शुरुआती पहचान, खेती में सही समय पर सही फैसले लेने, आपदा से पहले चेतावनी देने, मौसम और जलवायु का बेहतर अनुमान लगाने और सरकारी योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने में एआई पहले से ही मदद कर रही है। आने वाले समय में शिक्षा, परिवहन और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ने की संभावना है।

लेकिन जैसे पहले की तकनीकी क्रांतियों में हुआ, वैसे ही एआई के साथ भी असमानता की तस्वीर सामने आती है। जिनके पास कंप्यूटर की ताकत यानी कंप्यूट, अच्छा डेटा और मजबूत डिजिटल ढांचा है, वही बड़े स्तर पर एआई का लाभ उठा पा रहे हैं। जिनके पास ये सुविधाएं नहीं हैं, वे पीछे रह जाते हैं। यह फर्क आज केवल कंपनियों के बीच ही नहीं, बल्कि देशों और इलाकों के बीच भी साफ दिखाई देता है।

भारत ने इस चुनौती को एक अवसर के रूप में लिया है। इंडिया एआई मिशन के जरिए भारत यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि एआई की ताकत कुछ गिने-चुने लोगों तक सीमित न रहे। कंप्यूट, डेटा और एआई मॉडल को डिजिटल सार्वजनिक सुविधा के रूप में देखा जा रहा है, ताकि स्टार्टअप, शोधकर्ता, छात्र और छोटे संस्थान भी एआई पर काम कर सकें। भारत की सोच साफ है- ऐसा डिजिटल ढांचा बनाया जाए जो खुला हो, आसानी से बढ़ सके और समाज के हर वर्ग के काम आए। इससे एआई का लाभ आम लोगों तक पहुंचे, देश में ही नवाचार को बढ़ावा मिले और तकनीक के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बन सके।

इस सोच के पीछे एक ठोस योजना है। दावोस में हुए विश्व आर्थिक मंच में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत एआई को पांच स्तरों पर विकसित कर रहा है- बिजली और ऊर्जा, कंप्यूट और इंफ्रास्ट्रक्चर, चिप और हार्डवेयर, एआई मॉडल और एप्लिकेशन। इन सभी पर एक साथ काम होने से ही एआई का सही और व्यापक उपयोग संभव हो पाएगा।

भारत का तरीका इसलिए अलग है क्योंकि यहां एआई तक पहुंच आसान बनाई गई है। भारत ने एक साझा कंप्यूट प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जहां 38,000 जीपीयू एक ही पोर्टल पर मिलते हैं। इनका खर्च करीब 65 रुपये प्रति घंटा है, जबकि दूसरे देशों में इसके लिए 2.5 से 3 डॉलर प्रति घंटा तक देने पड़ते हैं। इंडिया एआई मिशन के तहत सरकार एआई मॉडल बनाने के लिए पूरी लागत (100 प्रतिशत) तक मदद दे रही है और एआई के इस्तेमाल पर भी 40 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। इससे पैसे की कमी एआई पर काम करने में रुकावट नहीं बनती। इसी वजह से सरवम एआई, सोकेट एआई और ज्ञानि एआई जैसे भारतीय स्टार्टअप अब बिना बड़ी पूंजी लगाए अपने खुद के एआई और भाषा मॉडल बना पा रहे हैं, जो पहले सिर्फ बड़ी विदेशी कंपनियां ही कर पाती थीं।

भारत का लक्ष्य सिर्फ एआई का इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि अपना एआई बनाना है। भारत अपना खुद का एआई मॉडल तैयार कर रहा है, जो भारतीय भाषाओं, भारतीय संस्कृति और भारतीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा। इसे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट (16-20 फरवरी 2026) में पेश किए जाने की उम्मीद है। यह मॉडल भारत के ही डेटा पर प्रशिक्षित होगा और देश के भीतर ही काम करेगा।

इससे एआई ज्यादा सटीक, निष्पक्ष और सबको साथ लेकर चलने वाला बनेगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित होगा कि डेटा सुरक्षित रहे और एआई का इस्तेमाल देश के कानूनों और नागरिकों के अधिकारों के अनुसार हो।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में एआई को लेकर केवल जोखिमों की चर्चा नहीं होगी, बल्कि यह देखा जाएगा कि एआई जमीन पर क्या बदलाव ला रही है। इसमें एआई को सबके लिए उपलब्ध कराने, विकास में इसके उपयोग, पर्यावरण की रक्षा, भरोसेमंद सिस्टम, भारतीय भाषाओं में एआई, ग्लोबल साउथ की भागीदारी और एआई से जुड़ी असमानताओं को कम करने जैसे मुद्दों पर विचार किया जाएगा।

भारत का यह तरीका उन देशों के लिए भी एक उदाहरण है, जो अभी विकास के रास्ते पर हैं। यह दिखाता है कि खुलेपन और नवाचार के साथ-साथ अपनी तकनीकी स्वतंत्रता कैसे बनाए रखी जा सकती है। भारत अपने एआई मॉडल ओपन-सोर्स के रूप में विकसित कर रहा है, ताकि दूसरे देश भी अपनी जरूरतों के अनुसार इन्हें अपना सकें। मकसद है मिलकर आगे बढ़ना, बिना किसी नई निर्भरता के।

आज जब एआई देश की ताकत और अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा बन चुकी है, सवाल यह नहीं रह गया है कि एआई अपनाया जाए या नहीं, बल्कि यह है कि इसे समझदारी, जिम्मेदारी और टिकाऊ तरीके से कैसे अपनाया जाए।

(लेखक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं)

## शब्द सामर्थ्य -049

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं**

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

**ऊपर से नीचे**

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

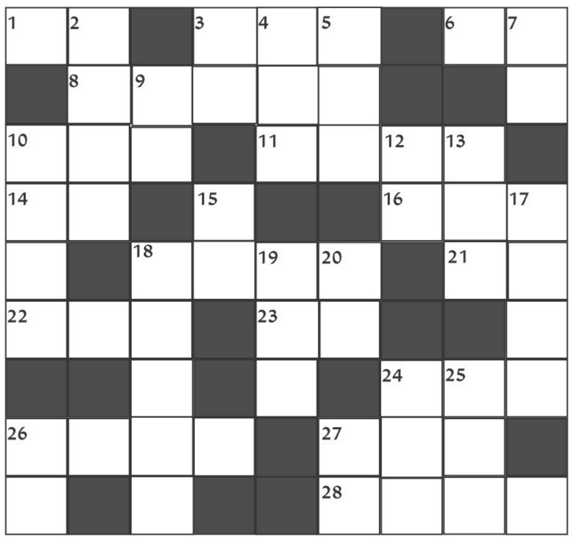

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 48 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| टे | ढ़ा | मे | ढ़ा | | म | हा | र | त |
| क | | ह | | | | | ज | न |
| | जा | न | की | | क | म | नी | य |
| | | त | म | क | ना | | | |
| म | | | त | ह | त | | दा | ब |
| सी | मा | | | ला | | स | न | द |
| हा | थ | म | ल | ना | | वा | | च |
| | | द | | | घा | ल | मे | ल |
| | ब | द | ह | वा | स | | | न |

# अब बड़े पर्दे पर दहाड़ेंगे कालीन भैया, भौकाली अंदाज में होगी मुन्ना-गुड्डू की वापसी

मिर्जापुर' उन चुनिंदा वेब सीरीज में शामिल है, जिसने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रखते ही दर्शकों के बीच जबरदस्त सनसनी फैला दी और तगड़ा फैन बेस बना लिया। गालियों से भरे डायलॉग्स, सत्ता की अंधी भूख, खून-खराबे और बेहद दमदार किरदारों ने इस शो को कुछ ही समय में एक कल्ट पहचान दिला दी। हर सीजन के साथ इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई और ओटीटी पर इसने रिकॉर्डतोड़ व्यूअरशिप हासिल की। दर्शकों के इस अपार प्यार और क्रेज को देखते हुए अब मेकर्स ने मिर्जापुर' की कहानी को बड़े पर्दे पर लाने का बड़ा फैसला लिया है। बहुत जल्द मिर्जापुर- द फिल्म' सिनेमाघरों में रिलीज होकर वही भौकाल मचाने वाली है, जिसके लिए यह सीरीज जानी जाती है। अब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सल एंटरटेनमेंट की सबसे बड़ी और फैन-फेवरेट फ्रैंचाइजी मिर्जापुर' को पहली बार सिनेमाघरों में ला रहे हैं। यह फिल्म मिर्जापुर यूनिवर्स की एक अनसुनी कहानी दिखाएगी। एक्सल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। भारत की सबसे आइकॉनिक ओटीटी फ्रैंचाइजी अब बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। मेकर्स ने आज मिर्जापुर- द मूवी की थिएट्रिकल रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। ये फिल्म 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म दर्शकों को उसी रॉ और दमदार दुनिया में ले जाएगी, लेकिन इस बार पहले से कहीं ज्यादा बड़े स्केल पर। पंकज त्रिपाठी के कालीन भैया, अली फजल के गुड्डू पंडित के साथ-साथ दिव्येंदु के मुन्ना भैया की भी बहुप्रतीक्षित वापसी हो रही है। पहली बार मिर्जापुर की कल्ट कहानी सिनेमाघरों में उतरेगी और इस तरह से अपने फैंस को एक जबरदस्त बिग-स्क्रीन अनुभव देने वाली है। फिल्म में इसके अलावा जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता गौर, सुशांत सिंह, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, कुलभूषण खरबंदा और सोनल चौहान जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत, एक एक्सल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन मिर्ज़ापुर- द मूवी' का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। यह फिल्म 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिल्म की कहानी को लेकर फिलहाल मेकर्स ने कोई ठोस जानकारी साझा नहीं की है। हालांकि इंडस्ट्री से जुड़ी रिपोर्ट्स की मानें तो यह प्रोजेक्ट या तो वेब सीरीज की शुरुआत की कहानी यानी प्रीक्वल हो सकता है या फिर उसी टाइमलाइन में घटने वाली किसी बेहद अहम घटना पर आधारित होगा। इतना तय माना जा रहा है कि फिल्म का स्केल सीरीज के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़ा और भव्य होगा। सत्ता की जंग, खून-खराबा और मिर्जापुर की गद्दी के लिए एक नया, पहले से ज्यादा खतरनाक खेल दर्शकों को देखने को मिल सकता है। बड़े पर्दे के लिए मिर्जापुर की दुनिया को और भी रॉ, इंटेंस और सिनेमैटिक अंदाज में पेश करने की पूरी तैयारी की जा रही है।

# नेशनल अवॉर्ड विजेता विक्रांत मैसी बनें प्रोड्यूसर, लव स्टोरी फिल्म मुसाफिर कैफे से करेंगे धमाका

नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता विक्रांत मैसी, जो अपनी शानदार एक्टिंग और कंटेंट-फुल फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब अपनी क्रिएटिव जर्नी में नया कदम रख रहे हैं। वह अपनी आने वाली फिल्म मुसाफिर कैफे के साथ प्रोड्यूसर बन रहे हैं। अपनी पीढ़ी के बेहतरीन एक्टर्स में गिने जाने वाले मैसी हमेशा ऐसी कहानियां चुनते हैं जो भावनात्मक, सामाजिक और इंसानी हों, इसलिए प्रोडक्शन में कदम रखना उनके लिए बिलकुल नेचुरल है।

मुसाफिर कैफे के साथ विक्रांत मैसी कहानी के हर पहलू में खुद को और करीब से जोड़ना चाहते हैं और ऐसी कहानियों को सामने लाना चाहते हैं जो ईमानदार, जमीन से जुड़ी और असली जिंदगी के अनुभवों पर आधारित हों। यह रोमांटिक ड्रामा दिव्या प्रकाश दुबे के उपन्यास पर आधारित है, जो इसकी कहानी और भावनाओं को और मजबूत बनाता है। अपने करियर के इस नए और खास अध्याय के बारे में बात करते हुए विक्रांत ने कहा, यह मौका मेरे लिए बिलकुल सही लगा, इतने शानदार क्रिएटर्स और टैलेंट के साथ काम करना और एक ऐसे क्षेत्र में कदम रखना जो उतना ही रोमांचक और ईमानदार लगता है। यह यात्रा अभी शुरू ही हुई है, और मुझे जो भरोसा और प्रोत्साहन मिला उसके लिए मैं सच में बहुत आभारी हूं।

मुसाफिर कैफे प्यार, हीलिंग और खुद को समझने जैसी बातें दिखाता है और अपनी भावनाओं और असलियत के जरिए दर्शकों को जोड़ना चाहता है। यह दिखाता है कि मैसी सिर्फ अच्छी कहानियों में एक्ट नहीं करना चाहते, बल्कि उन्हें पीछे से सपोर्ट और शेप भी करना चाहते हैं। प्रोड्यूसर बनकर वह ऐसी फिल्मों के लिए अपनी कमिटमेंट दिखा रहे हैं, जो मजबूत कहानी, अलग अंदाज़ और असरदार स्टोरीटेलिंग पर ध्यान देती हैं।

मुसाफिर कैफे विक्रांत मैसी के लिए एक नए क्रिएटिव चैप्टर की शुरुआत है और उन्हें एक ऐसे स्टोरीटेलर के रूप में पेश करता है जो सोच-समझकर, लंबे समय तक असर रखने वाली फिल्में बनाना चाहते हैं, जो दर्शकों से गहरा कनेक्शन बना सकें। इसके बाद वह इंटरनेशनल थ्रिलर बायोपिक व्हाइट में नजर आएंगे, जिसमें वे स्पिरिचुअल लीडर गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर का रोल निभाएंगे।

# अपने आप से लड़कर मैंने खुद को पाया है, मेधा राणा ने जिंदगी में आए बदलाव को किया साझा

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो कैमरे के सामने तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर एक लड़ाई चल रही होती है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अंदर चल रहे सवालों, असमंजस और आत्मसंदेह की जंग को जीतकर अपने ऊपर भरोसा करना सीखा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। मेधा राणा ने कहा, साल 2022 से लेकर अब तक उनके भीतर सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा है। शुरुआत में मैं खुद को लेकर बहुत उलझन में रहती थीं। मुझे अक्सर लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मुझे भीतर से कमजोर बनाते थे और आगे बढ़ने में बाधा भी बनते थे।

उन्होंने कहा, जब मैंने मनोरंजन जगत में काम करना शुरू किया, तो शुरुआती दिन बेहद कठिन थे। मैं लगातार खुद पर शक करती थी और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थी। इस असमंजस से बाहर निकलने में मुझे काफी समय लगा। इंडस्ट्री को समझना, अपने आप को पहचानना और हालात को स्वीकार करना एक लंबी सीख की प्रक्रिया रही।

मेधा ने कहा, मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा स्वीकार करने लगी हूं। मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को समझती हूं और उन्हें लेकर सहज हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी है। मेधा राणा ने कहा, फिल्म बॉर्डर 2 मेरे करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई है। इस फिल्म का हिस्सा बनने के बाद और दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया ने मेरे भीतर एक नया भरोसा पैदा किया। जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। बॉर्डर 2 के अनुभव ने मुझे यह एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।

उन्होंने कहा, अब मैं खुद को लेकर ज्यादा आश्वस्त महसूस करती हूं। अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर मेरा भरोसा बढ़ा है। यह आत्मविश्वास मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी ग्रोथ है, जो मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।

# फिल्म द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड का पहला गाना साथी रे रिलीज

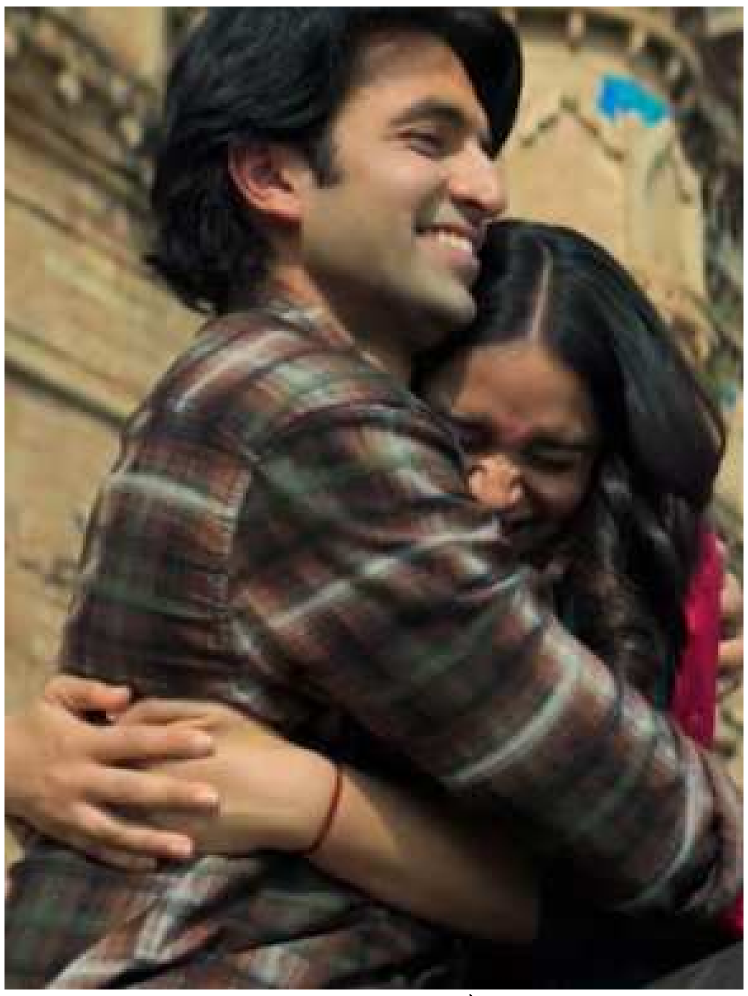

द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड' का टीजर रिलीज हो चुका है। नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर कामख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों की परेशान करने वाली कहानी दिखाती है, जिनका किरदार उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया निभा रही हैं। तीन मुस्लिम लड़कों के साथ रिश्ते में आने के बाद उनकी जिंदगी धीरे-धीरे अंधेरे में चली जाती है। जो कहानी प्यार से शुरू होती है, वो आगे चलकर धर्म परिवर्तन से जुड़ी एक साजिश की डरावनी सच्चाई खोलती है। इसी दुनिया की एक और झलक देते हुए फिल्म का पहला गाना साथी रे' अब रिलीज हो चुका है।

द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड' का पहला गाना साथी रे' लड़की के प्यार, उसके जज्बातों, किसी के लिए अपनी दुनिया छोड़ देने और आखिर में धोखे व दर्द का सामना करने की कहानी को दिखाता है। फिल्म की थीम को बरकरार रखते हुए इस गाने में तीन मेल लीड्स की भी एंट्री होती है, उल्का गुप्ता के अपोजिट सुमित गहलावत, ऐश्वर्या ओझा के साथ अर्जन औजला और अदिति भाटिया के साथ युक्तम खोसला नजर आते हैं। साथी रे' को विशाल मिश्रा ने आवाज दी है, इसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं और म्यूज़िक मन्नन शाह ने कंपोज किया है।

द केरल स्टोरी' के जबरदस्त असर के बाद जिसने अपनी बेबाक कहानी से पूरे देश को झकझोर दिया था, इसका सीक्वल और भी आगे जाने का वादा करता है। कामख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड' को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है, जबकि आशिन ए शाह ने सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले इसे को-प्रोड्यूस किया है। फिल्म 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## वरिष्ठ नागरिकों ने सुरक्षा के प्रति जताई चिंता

हरिद्वार(आरएनएस)। सीनियर सिटीजन्स वेलफेयर सोसायटी का शपथ ग्रहण एवं वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह प्रेस क्लब सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुविधाओं की बहाली और सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। संरक्षक महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी, वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद उपाध्यक्ष नवीन चंद्र वर्मा, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता न्यायमूर्ति राजेश टंडन, संस्था अध्यक्ष अम्बरीश कुमार रस्तोगी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों का सभी को सम्मान करना चाहिए। सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाओं में कटौती की जा रही है। पहले ट्रेन यात्रा में वरिष्ठ नागरिकों को किराए में छूट मिलती थी लेकिन अब नहीं मिलती जिसके कारण उनमें रोष है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज और देश का गौरव होते हैं। कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां वरिष्ठ नागरिकों के साथ अपराध बढ़ रहा है। उनकी सुरक्षा के प्रति सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिएं। जल्द ही समिति कार्यालय के लिए सरकार से मांग की जाएगी। इस दौरान राजकुमार अरोड़ा, शंभू नाथ, चौधरी चरण सिंह, प्रमोद गोयल, बृजभूषण विद्यार्थी, गुलशन नैय्यर, नवल किशोर गुप्ता, लाल सिंह, डा. दीपा शर्मा, हरमोहन सिंह, त्रिलोचन सिंह, महेंद्र अरोड़ा, मोहनलाल ममगई आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

## दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय में समीक्षा बैठक

अल्मोड़ा(आरएनएस)। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के प्रस्तावित प्रथम दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक भवन में कुलपति सतपाल सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में समिति संयोजकों और अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न समितियों की प्रगति और तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। दीक्षांत समारोह के संयोजक डी. के. भट्ट ने अलग-अलग समितियों द्वारा की जा रही तैयारियों की जानकारी प्रस्तुत की। इस पर कुलपति सतपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह निकट भविष्य में प्रस्तावित है, ऐसे में सभी समितियां अपनी तैयारियों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएं। उन्होंने विभिन्न मदों में संभावित व्यय, कार्ययोजना और व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संतोष जताया। बैठक में ऑडिटोरियम की तैयारियां, सड़क सुधार, कुलगीत की तैयारी, पदक वितरण समारोह, मंच की रूपरेखा, अतिथियों के आवास, स्वागत व्यवस्था, डिग्री वितरण, सेल्फी प्वाइंट और यातायात प्रबंधन जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में वित्त अधिकारी अमित कुमार त्रिपाठी, शोध एवं प्रसार निदेशालय के निदेशक जगत सिंह बिष्ट, परीक्षा नियंत्रक पंकज कुमार साह, पूर्व परीक्षा नियंत्रक सुशील कुमार जोशी, परिसर निदेशक प्रवीण सिंह बिष्ट, डीन अकादमिक अनिल कुमार यादव, संकायाध्यक्ष विधि ए. के. नवीन, संकायाध्यक्ष कला हरीश जोशी, संकायाध्यक्ष शिक्षा रिजवाना सिद्दीकी, संजीव आर्या, प्रियंका पांडे, ललित जोशी और चंद्र प्रकाश फुलोरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

### सू- दोकू क्र.049

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 3 | | | | | 7 | |
| 9 | | | | 6 | | 3 | | 8 |
| | 7 | | 9 | | 5 | | 6 | |
| | | | | | | 1 | | 9 |
| 3 | | 8 | | 7 | | | 5 | |
| | 1 | | 3 | | 9 | | | 7 |
| | | 2 | | 8 | | 7 | | |
| | 8 | | | | 2 | | 4 | 3 |
| | | | 1 | | | | | |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

### सू-दोकू क्र.48 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 2 | 4 | 9 | 6 | 7 | 8 | 1 | 3 |
| 3 | 6 | 7 | 4 | 1 | 8 | 2 | 9 | 5 |
| 8 | 1 | 9 | 3 | 2 | 5 | 4 | 6 | 7 |
| 6 | 3 | 5 | 1 | 9 | 4 | 7 | 2 | 8 |
| 7 | 9 | 8 | 5 | 3 | 2 | 6 | 4 | 1 |
| 2 | 4 | 1 | 7 | 8 | 6 | 5 | 3 | 9 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 7 | 9 | 1 | 8 | 2 |
| 9 | 8 | 6 | 2 | 5 | 1 | 3 | 7 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 8 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 |

# 22 फरवरी को सिमकनी मैदान में हिंदू सम्मेलन होगा आयोजित, तैयारियां तेज

अल्मोड़ा(आरएनएस)। नगर के सिमकनी मैदान में 22 फरवरी को प्रस्तावित हिंदू सम्मेलन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मां नंदा हिंदू सम्मेलन समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के संबंध में एक होटल में पत्रकार वार्ता कर जानकारी दी गई।

आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य समाज को एक मंच पर लाकर सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक विषयों पर संवाद स्थापित करना है। इसके लिए नगर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जनसंपर्क किया जा रहा है। समिति से जुड़े मनोज सनवाल, चंद्र प्रकाश फुलोरिया, दीपक पांडे, अमित साह मोनू, देवाशीष नेगी, कैलाश गुरुरानी, मनोज तिवारी, सुनील कर्नाटक, बीना नयाल और मनोज पवार विभिन्न जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। आयोजकों के अनुसार सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकनृत्य, भजन-कीर्तन और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए जाएंगे, जिससे युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष प्रस्तुतियों की भी तैयारी की जा रही है।

सम्मेलन से पूर्व नगर में एक बाइक रैली भी निकाली जाएगी, जो विभिन्न मार्गों से होकर लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेगी। आयोजकों ने बताया कि रैली और मुख्य कार्यक्रम के लिए प्रशासन के साथ समन्वय कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

कार्यक्रम में विभिन्न धर्मगुरुओं, संतों और समाजसेवियों को आमंत्रित किया गया है, जो सामाजिक एकता, सांस्कृतिक संरक्षण और वर्तमान चुनौतियों पर अपने विचार रखेंगे। इस अवसर पर सम्मेलन के पोस्टर का भी विमोचन किया गया। आयोजकों का कहना है कि सम्मेलन का उद्देश्य समाज में सकारात्मक संदेश देना और विभिन्न वर्गों के बीच संवाद को बढ़ावा देना है। आयोजन समिति ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर बैठने, पेयजल, स्वास्थ्य और सुरक्षा की समुचित व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाएं।

## ट्रैफिक संकेतों का पालन करने का बताया महत्व

रुद्रपुर(आरएनएस)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सिटी कॉन्वेंट स्कूल में परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा-जीवन सुरक्षा थीम पर आधारित एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजनों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यशाला में परिवहन विभाग के परिवहन कर अधिकारी तारकेंद्र वैष्णव ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने सड़क पर चलते समय सावधानी बरतने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, नशे की अवस्था में वाहन न चलाने और ट्रैफिक संकेतों का पालन करने के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि छोटी-छोटी लापरवाहियां गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं, इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह यातायात नियमों का पालन कर स्वयं और दूसरों के जीवन की रक्षा करे। विद्यालय प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर तिलक उपाध्याय एवं प्राचार्या शुभ्रा सक्सेना ने परिवहन विभाग के अधिकारियों का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

## सिमतोला इको पार्क में वनाग्नि नियंत्रण को लेकर मॉक ड्रिल

अल्मोड़ा(आरएनएस)। वनाग्नि की संभावित घटनाओं से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए सिमतोला इको पार्क में मॉक ड्रिल आयोजित की गई। अभ्यास का उद्देश्य विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर आपदा की स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना रहा। मॉक ड्रिल के तहत सुबह सिमतोला क्षेत्र में आग लगने की काल्पनिक सूचना मिलते ही आपदा प्रबंधन तंत्र सक्रिय किया गया। वन चेतना केंद्र एनटीडी को स्टेजिंग एरिया बनाकर राहत और बचाव कार्यों का संचालन किया गया। वन विभाग की टीम ने फायर लाइन बनाकर और उपकरणों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रदर्शन किया।

पुलिस ने क्षेत्र की घेराबंदी कर यातायात और भीड़ नियंत्रण संभाला। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमों ने घायलों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का अभ्यास किया, जबकि चिकित्सा विभाग ने प्राथमिक उपचार और एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई। आपदा प्रबंधन विभाग ने पूरे अभियान का समन्वय किया। अभ्यास के दौरान विभागों की तैयारियों का आकलन किया गया और सुधार के बिंदुओं पर चर्चा हुई। वन संरक्षक उत्तरी कुमाऊं वृत्त चंद्रशेखर जोशी ने मॉक ड्रिल का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह ने कहा कि ऐसे अभ्यास आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता को मजबूत करते हैं और जन-धन की हानि को कम करने में सहायक होते हैं। प्रशासन ने लोगों से वनाग्नि के प्रति सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति की जानकारी तुरंत संबंधित विभागों को देने की अपील की है। इस दौरान प्रभागीय वनाधिकारी सिविल सोयम प्रभाग प्रदीप धौलाखंडी, आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पाल, रेंजर मनोज सनवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

## पिथौरागढ़ जिला अस्पताल में बुखार, जुखाम के रोगियों की भीड़

पिथौरागढ़(आरएनएस)। पिथौरागढ़ नगर स्थित जिला अस्पताल के फिजीशियन कक्ष में रोगियों की भीड़ जुटी। बुखार, जुखाम, खांसी, पेट दर्द से परेशान मरीज अस्पताल पहुंचे। इस दौरान मरीज फिजीशियन कक्ष में अपना पर्चा लगाकर अपनी बारी का इंतजार करते हुए दिखे। चिकित्सक ने बारी-बारी से सभी मरीजों की जांच की।

## संग्रहालय और मल्ला महल के संरक्षण को लेकर आयुक्त ने दिए निर्देश

अल्मोड़ा(आरएनएस)। कुमाऊं मंडल आयुक्त दीपक रावत ने भ्रमण के दूसरे दिन शहर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का निरीक्षण कर उनके संरक्षण और विकास को लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने राजकीय संग्रहालय और ऐतिहासिक मल्ला महल का जायजा लिया। आयुक्त ने सबसे पहले राजकीय संग्रहालय पहुंचकर वहां संरक्षित ताम्रपत्र, प्राचीन मूर्तियां, दुर्लभ सिक्के और पांडुलिपियों का अवलोकन किया। उन्होंने इन धरोहरों के वैज्ञानिक और सुरक्षित संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि ये वस्तुएं प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की पहचान हैं, जिनका सही रख-रखाव जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से प्राचीन सिक्कों को व्यवस्थित वर्गीकृत कर सुरक्षित रखने और उनकी ऐतिहासिक जानकारी को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। साथ ही पांडुलिपियों के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी और भारत रत्न गोविंद बल्लभ पंत से जुड़े अभिलेखों की जानकारी भी ली और उनके योगदान को नई पीढ़ी तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर बल दिया। इसके बाद आयुक्त ने मल्ला महल का निरीक्षण किया और इसके ऐतिहासिक महत्व की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि यह स्थल पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण संभावनाएं रखता है। उन्होंने विरासत स्थलों के संरक्षण को पर्यटन विकास से जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और पर्यटन विकास को ध्यान में रखते हुए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र, उपजिलाधिकारी संजय कुमार, राजकीय संग्रहालय के प्रभारी निदेशक चंद्रशेखर सिंह चौहान, उप निदेशक पर्यटन प्रकाश सिंह खत्री और वीथिका सहायक जनमेजय तिवारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# मुख्यमंत्री के पौड़ी भ्रमण को लेकर सुरक्षा चाक-चौबंद

हमारे संवाददाता

पौड़ी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आज पौड़ी में प्रशासनिक भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार मनोज कुमार ठाकुर द्वारा सुरक्षा में नियुक्त समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों की पुलिस लाइन पौड़ी में ब्रीफिंग ली गयी। ब्रीफिंग के दौरान मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दृष्टिगत किए गए सुरक्षा-प्रबन्धों एवं वीआईपी की बेहतर सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत ड्यूटीरत पुलिस बल को ड्यूटी के प्रति संवेदनशीलता बरतने तथा वीवीआईपी की सुरक्षा मापदंडो के तहत प्रोटोकॉल का शत प्रतिशत अनुपालन करने व किसी भी प्रकार से कोताही न बरतने के कड़े निर्देश दिए गए। वीवीआईपी के आगमन से 3 घंटे पूर्व अपने ड्यूटी स्थल पर पहुंचकर उसके आस-पास के स्थानों को भली-भांति चेक कर कोई संदिग्ध वस्तु के मिलने पर उच्च अधिकारियों को सूचित करने हेतु निर्देशित किया गया। समस्त ड्यूटी प्रभारियों को अपने अधीनस्थ नियुक्त कर्मचारीगणों के ड्यूटी कार्ड चेक करने तथा ड्यूटी के संबंध में भली-भांति ब्रीफ करने के निर्देश दिए गए। ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन का बिल्कुल इस्तेमाल न करने हेतु कहा गया है एवं वीआईपी ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किये जाने के निर्देश दिए गये।

# स्मैक तस्करी में एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 03.53 ग्राम स्मैक (हेरोइन) व तस्करी में प्रयुक्त बाइक बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम नशा तस्करी की एक सूचना के बाद एसओजी व कोतवाली बागेश्वर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस टीम को भागीरथी तिराहे के पास बाइक सवार एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 3.53 ग्राम स्मैक (हेरोइन) बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम अजय कुमार उर्फ अतुल पुत्र प्रकाश चन्द्र निवासी कठायतवाड़ा जिला बागेश्वर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बरामद स्मैक की कीमत 70 हजार रूपये बतायी जा रही है।

## संयुक्त नागरिक संगठन ने किया संवाद..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

इनका कहना था कि जब तक आम नागरिक की जिंदगी शारीरिक, आर्थिक, मानसिक रूप से शोषण उत्पीड़न अत्याचार से प्रभावित है तब तक सामाजिक न्याय की अवधारणा दूर की कौड़ी है।वक्ताओं ने भ्रष्टाचार और लालच,आर्थिक असमानता और गरीबी,शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी,जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव,पर्यावरण प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग को व्यवस्थागत अन्याय का बुनियादी कारण भी बताया।

संवाद में निष्कर्ष था की भ्रष्टाचार और लालच के खिलाफ लड़ाई, आर्थिक असमानता को कम करने के लिए काम करना,शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना,जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव को समाप्त करना, पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए काम करना भी सामाजिक न्याय को पाने की दिशा मे सार्थक कदम साबित हो सकता है। वक्ताओं में धाद के मेजर एमएस रावत,सोसाइटी ऑफ मिशन 40 प्लस के डॉक्टर राकेश डंगवाल,रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी के दिनेश भंडारी,संसदे के गिरीशचंद्र भट्ट, दून सिटीजन कौंसिल के जगमोहन मेंदीरत्ता,पर्यावरणविद् अवधेश शर्मा, रेड क्रॉस सोसाइटी के मोहन सिंह खत्री, संयुक्त नागरिक संगठन के सुशील त्यागी समाजसेवी अर्जुन कोहली,अजीत सिंह चौहान, दून रेजिडेंट वेलफेयर फ्रंट के अध्यक्ष देवेंद्र पाल मोंटी आदि शामिल थे।

# न्यायालय परिसर को प्राप्त धमकी भरे ई-मेल के संबंध में पुलिस की तत्पर कार्यवाही

संवाददाता

टिहरी। जिला न्यायालय को उडाने की धमकी भरी ई-मेल मिलने पर पुलिस ने न्यायालय परिसर को छावनी में तब्दील कर गहन जांच की लेकिन कुछ न मिलने पर पुलिस ने राहत की सांस ली।

मिली जानकारी के अनुसार जिला एवं सत्र न्यायालय, टिहरी गढ़वाल को प्राप्त एक धमकी भरे ई-मेल की सूचना मिलते ही आयुष अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल द्वारा प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए स्वयं मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। एसएसपी के निर्देशन में टिहरी पुलिस द्वारा तत्काल प्रभाव से न्यायालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में सघन चौकिंग/तलाशी अभियान चलाया गया। सम्पूर्ण कोर्ट परिसर को सुरक्षा घेरा बनाकर चेक किया गया। प्रवेश/निकास मार्गों पर विशेष निगरानी लगाई गई। बम निरोधक/सुरक्षा दृष्टि से हर कोने की गहन जांच की गई। गहन जांच के उपरांत कोई भी संदिग्ध वस्तु प्राप्त नहीं हुई, जिससे स्थिति पूर्णतः सामान्य पाई गई तथा आमजन व अधिवक्ताओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया गया। एसएसपी द्वारा मौके पर उपस्थित पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को न्यायालय परिसर की सुरक्षा और अधिक सुदृढ़ करने हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए तथा नियमित चौकिंग एवं सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। माहौल खराब करने के उद्देश्य से धमकी भरा ई-मेल भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान कर उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही हेतु साइबर माध्यमों से जांच की जा रही है। टिहरी पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु/व्यक्ति की सूचना तत्काल नजदीकी पुलिस थाना या डायल-112 पर दें। आपकी सतर्कता ही हमारी सुरक्षा है।

# एसएसपी ने परेड के दौरान जवानों के संग लगाई पुलिस मैदान में दौड़

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह द्वारा आज परेड के दौरान प्रातः पुलिस लाइन मैदान में पहुंचकर जवानों के साथ दौड़ लगाकर सभी को स्वस्थ रहने हेतु फिजिकल एक्सरसाइज के लिए प्रेरित किया गया तत्पश्चात सभी जवानों की शस्त्र अभ्यास एवं मैन्युअल ड्रिल का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जो कमियां पाई गई संबंधित अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारी देकर उसको बेहतर करवाया गया। परेड के पश्चात एसएसपी द्वारा अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिस लाइन की सभी अलग-अलग शाखाओं का भौतिक निरीक्षण करते हुए उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुलिस लाइन पूरे विभाग का घर होता है जहां से पूरी जनपद की पुलिस व्यवस्था चलती है इसलिए पुलिस लाइन की सभी व्यवस्थाएं 24 घंटे अपडेट रहना अति आवश्यक है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

कर्मचारियों के भोजनालय पहुंचकर एसएसपी द्वारा स्वयं अधीनस्थ अधिकारियों के साथ भोजन किया, प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि वह प्रतिदिन इसी प्रकार का पौष्टिक आहार कर्मचारियों को उपलब्ध कराएंगे साथ ही समय से कर्मचारियों को भोजन उपलब्ध कराया जाए जिससे कि वह समय से अपनी ड्यूटी पर पहुंच सके।

# एसएसपी ने किया प्रधान लिपिक व आंकिक शाखा का वार्षिक निरीक्षण

हमारे संवाददाता

टिहरी। पुलिस कार्यालय की कार्यप्रणाली को और अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एसएसपी आयुष अग्रवाल द्वारा आज पुलिस कार्यालय में स्थापित प्रधान लिपिक शाखा एवं आंकिक शाखा का वार्षिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान दोनों शाखाओं के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। अभिलेखों के संधारण, लंबित प्रकरणों की प्रगति तथा कार्यालयीय कार्यप्रणाली का गहन परीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। प्रधान लिपिक शाखा में निरीक्षण के दौरान पत्रावली इंडेक्स रजिस्टर एवं अन्य महत्वपूर्ण रजिस्टरों/पत्रावलियों का सूक्ष्म परीक्षण किया गया। कर्मचारियों की चरित्र पंजिकाओं का अवलोकन करते हुए दण्ड, पदोन्नति, पुरस्कार आदि से संबंधित प्रविष्टियों की जांच की गई। सभी प्रविष्टियों को एचआरएमएस पोर्टल पर समयबद्ध एवं अद्यतन रूप से ऑनलाइन दर्ज करने हेतु निर्देशित किया गया, ताकि अभिलेखों की पारदर्शिता एवं सटीकता सुनिश्चित की जा सके। समस्त पत्रावली अभिलेख एवं राष्ट्रों को अध्याय अधिक रखने हेतु निर्देशित किया गया।

वहीं आंकिक शाखा में निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की जीपीएफ/एनपीएस पुस्तिकाओं का अवलोकन करते हुए उन्हें नियमित रूप से अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही लंबित टीए/डीए बिल, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, एरियर भुगतान एवं निर्माण कार्यों से संबंधित देयकों का शीघ्र एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु संबंधित कार्मिकों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालय कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि सुचारु कार्यालय व्यवस्था ही प्रभावी पुलिस प्रशासन की आधारशिला है। निरीक्षण मे अपर पुलिस अधीक्षक दीपक सिंह, गोपनीय कार्यालय से दिनेश मनवाल, वाचक कार्यालय से निरीक्षक प्रविंद्र सिंह रावत, पीआरओ निरीक्षक प्रवीण बर्त्वाल सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

# कर्मचारियों का वेलफेयर प्राथमिकता, पर अनुशासन से कोई समझौता नहीं:डोबाल

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने जनपद में पहली परेड में कडे रूख अपनाते हुए कहा कि कर्मचारियों का वेलफेयर प्राथमिकता पर अनुशासन से समझौता नहीं होगा।

आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा पुलिस लाइन में आयोजित शुकवार की परेड का निरीक्षण किया गया। परेड के दौरान एसएसपी दून द्वारा स्वंय अध ीनस्थ अधिकारियो/कर्मचारियों के साथ दौड लगाते हुए उन्हे शारिरिक एवं मानसिक रूप से चुस्त दुरूस्त रहने के लिये प्रेरित किया गया। परेड समाप्ति के उपरान्त पुलिस लाइन के भ्रमण के दौरान क्वार्टर गार्द के निरीक्षण में बैरक में सफाई व्यवस्था सही न मिलने पर एसएसपी देहरादून द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखने हेतु गार्द कमाण्डर व उपस्थित पुलिस कर्मियों को सख्त हिदायत दी गई। साथ ही स्पष्ट किया कि अनुशासन के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जायेगा। परिवहन शाखा के निरीक्षण के दौरान एसएसपी द्वारा वाहनों की लाग

### जनपद की पहली परेड में कड़े तेवरों में दिखे एसएसपी

बुक एवं रनिंग रजिस्टरों को चौक करते हुए रजिस्टरों को अध्यावधिक न करने पर उप निरीक्षक परिवहन शाखा को कडी फटकार लगाते हुए सभी रजिस्टरों व लाग बुकों को नियमित रूप से अध्यावधिक करने तथा इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने के निर्देश दिये गये। पुलिस लाइन स्थित रिक्रूट ट्रेनिंग सेण्टर के निरीक्षण के दौरान बैरिकों व मैस में सफाई व्यवस्था पर असंतोष जाहिर करते हुए एसएसपी देहरादून द्वारा मैस सफाई व्यवस्था को दुरूस्त रखने तथा मैस में रिक्रूट आरक्षियों के लिये भोजन की गुणवत्ता को उच्च कोटी की रखने तथा मैस के गोदाम में कच्चे राशन के भण्डारण को सुव्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश दिये गये। बीडीएस शाखा के निरीक्षण के दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा बीडीएस प्रभारी से उनके पास उपलब्ध उपकरणों तथा किसी आकस्मिक स्थिती की सूचना पर उनके द्वारा की जाने वाली कार्यवाहियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही किसी संदिग्ध वस्तु/बम की सूचना पर आपसी समन्वय के साथ त्वरित सर्च अभियान/कार्यवाही हेतु थाना पुलिस तथा बम डिस्पोजल टीम के कर्मियों का प्रशिक्षण कराये जाने के निर्देश दिये गये। पुलिस लाइन भ्रमण के दौरान प्रतिसार निरीक्षक से लाइन परिसर में चल रहे निर्माण कार्यो के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए एसएसपी देहरादून द्वारा निर्माण कार्यों में लगी सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं के पदाधिकारियों से वार्ता करते हुए उन्हें निर्माण कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता उच्च कोटी की रखने के निर्देश दिये गये।

# दिवंगत पत्रकार उमेश राणा की पत्नी को डीएम ने सौंपा 5 लाख का चेक

संवाददाता

नैनीताल। दिवंगत पत्रकार उमेश राणा की पत्नी नूतन राणा को राज्य सरकार से मिली पांच लाख की आर्थिक सहायता का चेक जिलाधिकारी ने सौंपा।

आज यहां आर्थिक संकट से गुजर रहे दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार उमेश राणा के परिजनों को राज्य सरकार से मिली 5 लाख की आर्थिक सहायता का चैक सौंपा। परिवार ने मुख्यमंत्री ध ामी का आभार व्यक्त किया। लालकुआँ के दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार उमेश राणा को राज्य सरकार के मुख्यमंत्री पत्रकार कल्याण कोष से आर्थिक सहायता के रूप में पांच लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। लालकुआं में आयोजित जन जन की सरकार जन जन के द्वार कार्यक्रम के दौरान आर्थिक सहायता का चैक जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने दिवंगत पत्रकार उमेश राणा की पत्नी नूतन राणा को सौपा। इस दौरान दिवंगत पत्रकार उमेश राणा की पत्नी नूतन राणा ने ऐसे संकट की घड़ी में आर्थिक सहायता मिलने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान जिला सूचना अधिकारी गिरिजा जोशी, अहमद नदीम सहित लालकुआँ प्रेस क्लब अध्यक्ष बीसी भट्ट, राजेश नेगी, प्रकाश जोशी, दीप जोशी, रंजीत बोरा, दिनेश पाण्डेय, रमाकांत पन्त, अजय उप्रेती, ऐजाज हुसैन, अजय अनेजा, शैलेन्द्र कुमार सिंह, मुन्ना अंसारी, विनोद अग्रवाल, मुकेश कुमार, जफर अंसारी, शानू, भुवन रूवाली समेत कई पत्रकार मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इससे कुछ समय पूर्व राज्य सरकार से दिवंगत पत्रकार राहुल पांडे की धर्मपत्नी सीमा पांडे और वरिष्ठ दिवंगत पत्रकार उमेश पंत की धर्मपत्नी अंजलि पन्त को भी पांच-पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है।

# पिकअप वाहन खाई में गिरी, पांच घायल

हमारे संवाददाता

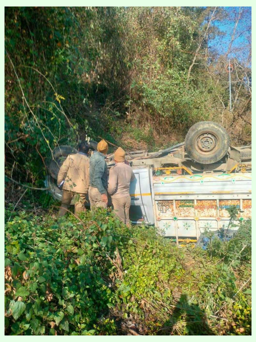

अल्मोड़ा। सड़क हादसें में आज सुबह एक अनियंत्रित पिकअप वाहन के खाई मे गिर जाने से पांच लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है। मामला सल्ट क्षेत्र के डोट्याल गांव के पास का है। जानकारी के अनुसार आज सुबह एक पिकअप वाहन का चालक सकाम सिंह उर्फ सोनू पुत्र राम सिंह बिष्ट निवासी सराय खेत, सल्ट क्षेत्र में काम के लिए मजदूरों को लेकर जा रहा था। डोट्याल गांव से करीब तीन किलोमीटर पहले वाहन अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाया। सभी घायलों को बाहर निकालकर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवायल, सल्ट भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायलों में सुभाष (22) निवासी नेपाल गंभीर रूप से घायल हैं। इसके अलावा चंद्रसेन (36) निवासी फतेहपुर बिजनौर, बिजेंद्र (31) निवासी हिदायतपुर बिजनौर, राजेंद्र (31) निवासी किला खेड़ा उधम सिंह नगर तथा चालक सकाम सिंह बिष्ट भी घायल हुए हैं।

# न्यायालय परिसरों में चला सघन चेकिंग अभियान

## ❑एसएसपी स्वयं रुद्रपुर न्यायालय परिसर में रहे मौजूद

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से एसएसपी अजय गणपति के निर्देशन में आज जनपद के सभी न्यायालय परिसरों में एक व्यापक और सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान की संवेदनशीलता को देखते हुए एसएसपी ने स्वयं रुद्रपुर न्यायालय परिसर में उपस्थित रहकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सर्चिंग ऑपरेशन का नेतृत्व किया।

चेकिंग अभियान में बीडीएस (बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड) और डॉग स्क्वाड की टीमों ने पूरे न्यायालय परिसर के कोने-कोने की बारीकी से तलाशी ली। साथ ही न्यायालय परिसर में आने और जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की गहनता से चेकिंग और फ्रिस्किंग की गई। एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। एसएसपी अजय गणपति ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को निर्देशित किया कि संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए और परिसर में प्रवेश करने वाले वाहनों की भी नियमित जांच सुनिश्चित की जाए।

# गुलदार की खाल सहित वन्य जीव तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। पहाड़ी क्षेत्रों में वन्य जीव तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को एसओजी टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक गुलदार की खाल बरामद की गयी है। आरोपी द्वारा जंगल में फंदा लगाकर गुलदार का शिकार किया गया था।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओजी टीम को सूचना मिली कि चल्थी क्षेत्र में कोई वन्य जीव तस्कर गुलदार की खाल सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी टीम द्वारा चम्पावत चल्थी पुलिस व वनविभाग की टीम के साथ चल्थी क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान एसओजी टीम को एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। टीम ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया।

तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद थैले से एक गुलदार की खाल बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम ईश्वर राम उर्फ दीपक पुत्र लछराम निवासी तल्ली खटोली चौकी चल्थी थाना/जिला चम्पावत बताया।

बताया कि इस गुलदार की खाल को मैंने और मेरे ताऊ के लड़के चन्दन राम पुत्र खुशराम निवासी उपरोक्त ने लगभग एक डेढ साल पहले जंगली जानवरों को पकडने के लिए लगाये गये फंदे में गलती से उक्त गुलदार के फँस जाने के कारण मर जाने से निकाला था। बहरहाल आरोपी के खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

*प्रधान संपादक*
**कांति कुमार**

*संपादक*
**पुष्पा कांति कुमार**

*समाचार संपादक*
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकार:**
**वी के अरोड़ा, एडवोकेट**
**बैजनाथ, एडवोकेट**

**कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*